Need to solve the problem of land erosion by sending a specialized team to Kokrajhar Parliamentary Constituency-Laid

श्री जयन्त बसुमतारी **(**कोकराझार**) :** संसदीय क्षेत्र कोकराझार असम में भूटान से नीचे की ओर बहने वाली लोंगा, चम्पावती, तरांग, गौरांग, सरलभंगा, भूर, नीजला आई, नांगोल, खाना माक्रा, बेकी और उसकी सहायक नदियों से हर साल गंभीर भूमि कटाव हो रहा है और इन नदियों से हो रहे लगातार भूमि कटाव ने हजारो परिवारों को विस्थापित कर दिया है । कोकराझार जिले में बाढ़ का सीधा संबंध ब्रह्मपुत्र से नहीं होता है और यह भूटान के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा के कारण होता है जिससे वहां से गुजरने वाली नदियां उफान पर आ जाती हैं और ये नदियों गंभीर भूमि कटाव करती हैं । इन नदियों ने हजारों हेक्टेयर भूमि को खत्म कर दिया है, जिससे पूरे जिले की स्थिति काफी बदल गई है । कई एलपी स्कूल बह गए है और सड़कें उखड़ गई हैं । नदी के भूमि कटाव से निपटने और प्रभावित लोगों की सुरक्षा और सड़कों की स्थिति ठीक करने के लिए हमें तत्काल सहायता की आवश्यकता है । बोडोलैंड इलाके में लगातार भूमि कटाव के कारण लोग अपनी जमीन और खेती को खो रहे है, इसलिए इस संकट से निपटने के लिए हमें अधिक सरकारी सहायता की उम्मीद है । केंद्र सरकार को बाढ़ और कटाव की हमारी दोहरी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीरता से विचार करना चाहिए और सरकार को इसे प्राकृतिक आपदा घोषित कर देना चाहिए । मै भारत सरकार से अपील करता हूँ कि मेरे संसदीय क्षेत्र में इस भूमि कटाव को रोकने के लिए एक विशेषज्ञ वैज्ञानिक टीम को कोकराझार भेजकर इस समस्या के स्थायी समाधान का उपाय किया जाए ।

_____

12.25 hrs